>

Title: Need to introduce one rank-one pension in Army- laid.

प्रो. प्रेम कुमार धूमल (हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश) : महोदय, सेना से पूर्व में रिटायर हुए और वर्तमान में रिटायर हो रहे सेनाकर्मियों की पेंशनों में बहुत विसंगति है, जिससे सैनिकों में असंतोष पनप रहा है। विगत अनेक वर्षों से भू0पू0 सैनिक एक रैंक एक पेंशन के सिद्धांत को लागू करने का निवेदन करते रहे हैं कि इस विसंगति को दूर किया जाये।

महोदय, मेरे लोक सभा क्षेत्र में सेवारत एवं सेवानिवृत सैनिक बहुतायत में हैं। पांचवे वेतन आयोग की सिफारिशों के उपरांत रक्षा मंत्री ने इस बारे में एक विशेष समिति गठित की थी जिसे इस समस्या के समाधान हेतु अपनी अनुशंसाएं देनी थीं, लेकिन अभी तक इसका समाधान नहीं हुआ है। इससे देश में विभिन्न रैंकों के सेवानिवृत सैनिकों में काफी रोष एवं क्षोभ है। अब छठा वेतन आयोग केन्द्रीय कर्मचारियों के वेतन को बढ़ाने पर विचार कर रहा है। मेरा आपके माध्यम से निवेदन है कि "वन रैंक वन पेंशन" के सिद्धांत को छठे पे कमीशन में अवश्य स्वीकार किया जाये और उसे शीघ्र लागू किया जाये।